

1. #28

महाराष्ट्र

1844

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीबालकृष्णाय नमः ॥
 कस्तूरि १ कयचिकं १ सिंहल १ सिध १ केया
 का १ वसिका १ अजुफुरिहा १ इम् १ मयेन १ वेकयने
 हि १ केयवड १ वाकुटसिहा १ सखनुत १ धाम्दय
 कामिया १ धायवसि १ दुहुसिंधी १ तवा १ तेभू १ लव
 ॥ वा अथेना १

सुखम्याः तुलसिहः सि
पिपिगुरि ॥ ३॥ कयलोथा ॥ हजीः हामोः याकितिः ईष्टमीः ज
वाल्ति ॥ ४॥ वकुमवाथ ॥ साया घोतः हाकजिलः ॥ लय
॥ ५॥ वकुमवाथ ॥ हामचिकः सिद्धाः कस्तूः तीव्यो
॥ ६॥ नयमलाकमलेः पीपिः ईष्टः जिलः मूथः
॥ ७॥ लोकवातया ॥ गितात्सिः गुधालेः वाकूधालेः सि
॥ ८॥ सुतिक्काया ॥ कपुसिद्धाः तेदुसेः भातावः हजी
॥ ९॥ दयाः वयाः ध्यान्माः वयावो कवसिक्काः स्वहगाः
॥ १०॥ हद्वासादि मोलया ॥ आः हलः यहलः
॥ ११॥ यलाः जेः हजिः थलवः ह्यकेसरः वेदादिः पिपिः क

सुः ललायाः आः वंदा गोचमः व्याः मलः भुः पिपिगुरि ॥ भुंगराजः
॥ १२॥ कयलोथा ॥ कभूः वय्यः उदिलः चरुः श्रीखराडः
॥ १३॥ पिपिगुरि ॥ पिपीः हलः कभू
॥ १४॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥
॥ १५॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥
॥ १६॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥
॥ १७॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥
॥ १८॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥
॥ १९॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥
॥ २०॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥ कयलोथा ॥

आदस दुलातं ए. बाल मूढ कदक सन्नि समलगा दायतीन समस्त व
 लया रिद ॥ लज्ज जिह्वा वयल सिया मनी नृपक सन कस्तिन जालि वा
 ल कया धन उअया कद वयी उअ ॥ ॥ मल ववे उ उ द ह ले उ ग व उ द
 म ल ल र ह नृ ध सा तां ता प निय दु ति दु ला स वृ य म हा स नि पा ग ना
 वा ल उ म ध न उ अ य क द उ य अं ड क ॥ ॥ क टा न ह ध लि स्त्रान शि
 व नृ य न क स न क स्ति न वा ला न के अ रि सा ल या रि ॥ ॥ ब्या ल
 अ नृ य स ध स्त्रान वा ना य पू लां कि मि स ह्रा य क स्ति ग य वा ल क या
 क स लान उ व यं ग क य रिं ड ॥ ॥ प ल पु र्वा दू लै ख स चू ला उ
 ता न के वा ल या ध न उ अ उ त के ॥ ॥ क र्प न पा या न र ह अ र

ननु अयं कस्तुनः भूमिस्तलयाः ॥ ॥ किलि १ मलव २ हल ३ साव
ल ४ वृक्ष ५ दानय ६ मंस ७ कल ८ सना ९ ॥ ॥ गीरुता ॥ किलि ॥ पिप्यलि ॥ भार
ह ॥ सना ॥ वासल ॥ नव ॥ किलि ॥ सावल ॥ तकि ॥ न कल ॥ सना ॥ ॥ ॥ श्रीखण्ड ॥ दु
लाल ॥ भित्ति ॥ सावल ॥ कल ॥ पापि ॥ पिप्यलि ॥ उभा ॥ भाल ॥ स्याका ॥ विकृता
ह ॥ ॥ किलि ॥ मस ॥ धूक ॥ म्याल ॥ लता ॥ द ॥ मलव ॥ ६ पिप्यलि ॥ ७ कालवा ॥ स
क ॥ ८ दुर्गिका ॥ दयक ॥ कस्तुन ॥ बालि ॥ नय ॥ व ॥ उविध ॥ कल ॥ नास ॥ दली ॥ कस्त
॥ ॥ ॥ धूक ॥ म्याल ॥ लता ॥ ३ पातक ॥ २ लव ॥ ४ लवन ॥ त्याव ॥ ५ किलि ॥ शाल ॥ ६
किनि ॥ ७ पिप्यलि ॥ ३ हक ॥ जील ॥ २ कालवा ॥ १ ६ नय ॥ कस्तुन ॥ १ सावन ॥ ३ २ नक
विकृता ॥ यना ॥ ॥ ॥ लव ॥ द ॥ किलि ॥ ॥ अय ॥ कस्तुन ॥ कर्तु ॥ र ॥ कान

१०ॐ नमः संकटायैः ॥ ॥ नारद उवाच ॥ जैगी ब्रह्म मुनि श्रेष्ठ
मम जगत्सुखं शक्यं ॥ आख्याना विष्णु पुराणानि भूतानि यत्प्रसा
दतः ॥ १ ॥ ननु त्रिमधिगच्छामि तव वागमृते न च ॥ वद मे
कं महा राज संकटारख्यानमुत्तमम् ॥ २ ॥ इति तस्य वचः क्र
त्वा जैगी ब्रह्म ॥ प्रविशतः ॥ जैगी ब्रह्म उवाच ॥ संकटनाश
कं श्री भूरा उदेवर्धिसत्तमम् ॥ ३ ॥ द्वापरे तु पुरा हते भूयः
ॐ धृति स्थिरे ॥ भ्रातृभिः सहितो राजा निर्वेद परमं गग

॥ तत्पुनर्निर्लुततः काशिं पुरा जातो महा मुनिः ॥ साकण्डेय
॥ निष्पातः सकृद्विशिष्यैर्महातयाः ॥ ५ ॥ तं दृष्ट्वा तु स मुत्था
॥ ६ ॥ यत्प्रसूतं पूजितः ॥ किमर्थं स्नानवदनं ते तत्त्वं मां निवेद
य ॥ ६ ॥ धृति स्थिर उवाच ॥ संकटं मे महात्मा प्रमेता हव
इति नतः ॥ ऐतन्निवारणोपायं किञ्चिद्ब्रूहि महा मुनेः ॥ ७ ॥
तं धिक्वाच ॥ अमृतकानने देवी संकटो नाम विभ्रता ॥ वीरे
भूरा नो भागे च देशस्य च पर्वतः ॥ ८ ॥ भूरा उवाच ॥ कं

तस्याः सर्वसिद्धिर्करि नृणां । सकदा प्रथमं द्वितीयं विजया तथा ॥
 ८ ॥ तृतीयं कामदा प्रोक्तं । चतुर्थं दुःखहरिणि । सर्वगार्प्यं चर्म
 नाम अष्टका त्यायनीति च ॥ ९० ॥ सप्तमं भीमलपना सर्वरोगह
 रणं नाम अष्टकमिदं पुराणं स्त्रिसंध्यं श्रद्धया नित्यं ॥ ९१ ॥
 अष्टमं पाठ्यो वापि नरो नृचेतसं कदा न । इत्युक्ता तद्वा सृष्टः
 तन्मन्त्रं विवर्णरासी ययो ॥ ९२ ॥ इति तस्य वचनं त्वा नारदो ह
 र्यनिर्भरः ॥ तत्र सं प्रजितो देवी वीरेश्वर समाहताः ॥ ९३ ॥

भुजैश्च दसभिर्गुक्तां लोचनत्रयसंयुताः मालाकमण्डलुध
 रं संधाय द्वा गदा भृता ॥ ९४ ॥ त्रिशूलं मकरिः खड्गचक्र
 विभूयिता ॥ ततश्चा भयहस्तांतां प्रणम्य विधिनन्दन ॥ ९५ ॥
 तान् ययौ हित्वानु । ततो विष्णुं पूजयौ । एतत् स्त्रोत्रं सा पठ
 तं पुनर्यो न विवर्द्धनं ॥ ९६ ॥ संकष्टनाशनं स्त्रोत्रं त्रिपुलोके
 प्रविष्टं ॥ गोपनीयं प्रयत्नेन महावध्या प्रसूति कृतं ॥ ९७ ॥
 इति पद्मपुराणे जैगियव्य नारद संवादे संकष्टश्रोत्रं संपूर्णं
 मूढसम्बत १६०८ साल माघ सुदि १२ ५ ॥

ਸਮਾਜਿਕ ਸਾਹਿਤ

੧੦੦੧੧੦੦੨੧੦੦੩੧੦੦੪੧੦੦੫੧੦੦੬੧੦੦੭੧੦੦੮
੧੦੦੯੧੦੦੧੦੧੦੦੧੧੧੦੦੧੨੧੦੦੧੩੧੦੦੧੪੧੦੦੧੫੧੦੦੧੬
੧੦੦੧੭੧੦੦੧੮੧੦੦੧੯੧੦੦੨੦੧੦੦੨੧੧੦੦੨੨੧੦੦੨੩੧੦੦੨੪
੧੦੦੨੫੧੦੦੨੬੧੦੦੨੭੧੦੦੨੮੧੦੦੨੯੧੦੦੩੦੧੦੦੩੧
੧੦੦੩੨੧੦੦੩੩੧੦੦੩੪੧੦੦੩੫੧੦੦੩੬੧੦੦੩੭੧੦੦੩੮

੧੦੦੩੯੧੦੦੪੦੧੦੦੪੧੧੦੦੪੨੧੦੦੪੩੧੦੦੪੪
੧੦੦੪੫੧੦੦੪੬੧੦੦੪੭੧੦੦੪੮੧੦੦੪੯੧੦੦੫੦
੧੦੦੫੦

੧੮	
੨	
੧੧	

੮	੧੧

ਮਸ਼ਹੂਰ ਸਾਹਿਤ

लनाय धने धाय प्रसी धा न दाय न मलय न ले आ के धाय य दो
 लना धाय नि धी धाय मु नि धव दाय ध व न प्रदाय धा दि दु दु : ला
 ल विलो य गाय ॥ न मलय वि गंत मे न धा ले मु लो भ गी वा न मु द भ
 लनाय ल ह लु ल म म न लो धी क प्रदा व ने नि धो र दु व वा ल
 प्र च दु वा ह ने ॥ ५ दु र वी गग मा ला ल वे धी भु भ दाय वि ग ने लो के
 न नी म दे वी ल म धा य न म ल ने ॥ ॥ कं वि ध्रे धाय म नी र य वि ध्र
 मा य ते नं त ॥ ल व वि ध्र ह दे व ल व धि नि न म ल ने ॥ ॥ ल व धि ग न
 मा ग ले न्या ॥ ॥ १५ का का पु न मा न को व ह धा री का
 ७५ का १४ का ७५ का १४ का ७५ का १४ का ७५ का १४ का
 मा न धा री का १५ का १४ का

आ के धाय न दाय न मलय न ले

२ ४ ६
 १ २ ३
 ४ ५ ६
 ७ ८ ९
 १० ११ १२
 १३ १४ १५
 १६ १७ १८
 १९ २० २१
 २२ २३ २४
 २५ २६ २७
 २८ २९ ३०
 ३१ ३२ ३३
 ३४ ३५ ३६
 ३७ ३८ ३९
 ४० ४१ ४२
 ४३ ४४ ४५
 ४६ ४७ ४८
 ४९ ५० ५१
 ५२ ५३ ५४
 ५५ ५६ ५७
 ५८ ५९ ६०
 ६१ ६२ ६३
 ६४ ६५ ६६
 ६७ ६८ ६९
 ७० ७१ ७२
 ७३ ७४ ७५
 ७६ ७७ ७८
 ७९ ८० ८१
 ८२ ८३ ८४
 ८५ ८६ ८७
 ८८ ८९ ९०
 ९१ ९२ ९३
 ९४ ९५ ९६
 ९७ ९८ ९९
 १००

५ १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

के न प म ठ र म नी नि लु का ध र म

वा की ध र म
 को ध र म
 को ध र म

१ क

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

गाने-सुनाते

१ क

२ १२

३ १३

४ १४

५ १५

६ १६

७ १७

८ १८

९ १९

१० २०

१३

भाषा

१४

१५

१६

१७

१८

१९

२०

२१

२२

२३

२४

२५

गाने-सुनाते का काम है। इस काम में गाने-सुनाते का काम है।
लगा-लगा कर कोश में लिखते हैं।

इस काम में गाने-सुनाते का काम है। इस काम में गाने-सुनाते का काम है।
लगा-लगा कर कोश में लिखते हैं।

[illegible]

लालीजीमचौतएमाकहाएजिक
 पएकमसाहकएपपत्र
 आगेचीशापावीगटीवडमाकका
 एगेजकाकापुएमाकदशेका
 लोचनीखाणिमणाणि

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

आगे चौथा. पानिग. ॥ ५ ॥ मेरा रूप नानुवेतको मुडा धारुग.
डाधुडा धारु धारु कीदि नाग

मेन सिधुग धारुग दाह

३१ ॥ ५३

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ अप नय मप नय विदुः दत्तय म न समय मृ शत

६ सादर

ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

स्वाकार प्रको

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



72

De Hout

24 (141) 725 57 40

ਅੰਤਰਿ ਮਿਲੈ

1519

नामो भगवते वासुदेवाय
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1777









